

संक्षिप्त खबरें

विश्व जल दिवस के अवसर पर जनजागरणका कार्यक्रम



आज विश्व जल दिवस के अवसर पर

वेल्सपन फाउंडेशन कार्यक्रम का हुआ

मानव संसाधन एवं बम महिला विकास संस्थान

के सम्मुख तत्वाधान में छोरा गांव के बिंद

बस्ती में एक जगरूकता कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गांव

के 225 से अधिक महिलाओं, किशोरों और

बच्चों ने उपलब्ध हुए। इस कार्यक्रम के उद्घाटन

करते हुए रेन सोने जी सामाजिक कार्यकर्ता ने

कहा की 22 मार्च विश्व जल दिवस

मनाया जाता है जिसे मना जाने का सुख

उद्देश्य है की ग्रामीण क्षेत्रों में रहने

वाली, महिलाओं को जल के महत्व और

जल संकट के बारे में जगरूक करना। श्री

दीनानाथ सरोज जी ने बताया की हमें जल का

सरक्षण करना होता तो कि आने वाले समय में

हमारे बच्चों को जल के लिए कठिनियों का

सामना ना करना पड़े। ग्रामीण ग्रामीण

आजीविका मिशन की पुष्प देवी समूह सभी

जी ने कहा की आज सभी स्थानों पर पानी की

भूमिका बहुत ही महत्व है जल है तो कल है

महिलाओं को स्वेच्छावाली सोचो

होंगी की जल को बचाना है और जल संचय

करने के बारे में जगरूक किया। आने वाले

समय में जल संकट के बारे में भी चर्चा

किया गया। गांव में रहने वाली महिलाओं को

बताया की स्वच्छ पेयजल संरक्षण पर चर्चा

किया गया इस कार्यक्रम में महिला और

किशोरों के स्वास्थ्य के विषय पर विचार,

संस्कृतिक एवं खेल संबंधी गतिविधियों के

माध्यम से किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, केश, योगी, सीमा मौर्य, इत्यादि ने

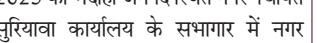
विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम का

संचालन अमा शंकर तथा धन्यवाद ज्ञान केसा

देवी ने किया।

नगर पंचायत सुरियावा की

बोर्ड वैठक संपन्न



भदोही/सुरियावा शनिवार 22 मार्च

2025 को भदोही जनपद स्थित नगर पंचायत

सुरियावा कार्यालय के सभागार में नगर

पंचायत अध्यक्ष सुरियावा विनय चौरसिया एवं

अधिष्ठात्री अधिकारी विनय चौरसिया एवं

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्रामीणकालीन को देखते

हुए पेयजल तथा प्रकाशन सफाई व्यवस्था

पर विशेष पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभ्या

से उपराजकर, बैठक के बारे में जगरूक

जाने का आयोजन किया गया।

मीनूजी द्वारा बैठक का आयोजन शुरू

हुआ जिसमें आजीवी ग्राम

संक्षिप्त खबरें

हल्की बारिश के बाद खिली धूप, बाजारों में इंद की टैनक



पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्ड- पाकुड़िया प्रखण्ड में 20 अंगर 21 मार्च की हुई हल्की बैमीसम वर्षा से मौसम सुहावना हो गया। इस बारिश से जहां गर्मी से गहर भिन्नी, वहीं फसलों को आंशिक रूप से लाभ और नुकसान देने हुए। हालांकि, किसी भी जानवर के नुकसान को सुन्दर नहीं है। 22 मार्च को सुधर हके लालों के तांच खाया जाने के बाद धूप खिलाए से जनजीवन सामान्य हो गया। इसी बीच इनके पावं को लेकर बाजारों में रैनक बढ़ गई है। लोग सेवडोये, बत्तों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी में व्यस्त नजर आ रहे हैं। पाकुड़िया बाजार की चहल-पहल देखते ही बन रही है, और लोगों के चेहरे पर उत्साह झलक रहा है। फिलहाल, मौसम सुहावना होने से बाजारों में भीड़ बढ़ रही है, और लोगों में इंद की खुशियों की झलक सफ देखी जा सकती है।

गर्मी की छुट्टी में बैंगलुरु में झारखण्ड महोत्सव की धूम



रांची, झारखण्ड- इस बार की गर्मी की छुट्टियों में द आर्ट ऑफ तिवार के इंटरनेशनल आर्ट्स बैंगलुरु में झारखण्ड की कला एवं संस्कृति का प्रदर्शन होगा। पूरे झारखण्ड से लोग जाहे हैं जहां वे एडवांस मेंटिंग्शन कोर्स के माध्यम से अध्यात्म की गहरायी को आनंद लेने के साथ ही क्षेत्र की कला एवं संस्कृति को लोगों के समझ प्रस्तुत करेंगे। झारखण्ड के विशेष पक्वान, परंपरागत नृत्य-कला, पहनावा, संगीत आदि की तैयारी अपी से चल रही है। द आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री रीवर्शन के दर्शन, आशीर्वाद एवं सनिधि हेतु लोगों में विशेष उत्सुकता है।

रक्तदान की मिसाल- कृष्ण मुरारी ने ब्लड कैंसर पीड़ित महिला की बाई जिंदगी

चंदवा, झारखण्ड- मानवता की मिसाल कायम करते हुए। चंदवा लोहसी निवासी कृष्ण मुरारी ने रांची स्वर के अस्पताल में भर्ती ब्लड कैंसर के उपर्योग से जुर्माने देवी (52 वर्ष) के लिए O-negative रक्तदान किया। जैसे ही उन्हें पता चला कि जीर्णी, चंदवा निवासी मुनी देवी को तकाल रक्त की जरूरत है, वे बिना देव किए लौटी दूरी तय कर रंगी पहुंचे और रक्तदान किया। नियमित रक्तदान कृष्ण मुरारी हर तीन महीने के अंतराल पर रक्तदान करते हैं और रक्तदान मरीजों के मदर के हेले हमेशा तैयार रहते हैं। उनके इस स्थिरान्वयन के लिए रक्तदान नैसर्गीक बनाए गए और समाज में एक सकारात्मक संदेश प्रसारित करता है।

शहीद दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन



हजारीबाग, झारखण्ड- देश ने हमें बहुत कूच दिया है, लेकिन हमने देश को क्या दिया? स्वतंत्रता के लिए कई बीरों ने अपने प्राप्तों की आहुति दी। 23 मार्च 1931 को लाहौर में शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फासी दी गई थी। उन्होंने स्मृति में हर वर्ष शहीद दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर वॉलंटरी ब्लड डोर्नर एसोसिएशन द्वारा शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज (सदर अस्पताल) के ब्लड बैंक में प्रति 10 बजे से रक्तदान करते आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, एसोसिएशन के सहायता सेवकों द्वारा व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व्यक्ति गतिशील अध्यक्ष आज आयोजन किया जाएगा।

संस्था झारखण्ड के लिए व

भगवान अमित शाह को शक्ति प्रदान करे

ये केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मुंह में धी-शक्ति भर देना चाहता है, बृहोंक उन्होंने संसद में अहम घोषणा करते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 से पहले देश के सभी हिस्सों से नक्सलबाद पीरी तरह खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने नक्सलबाद को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। 375 दिन में नक्सली खत्म, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इस गांटी को पूरा करने में और नक्सलियों के गढ़ में पहुंचकर सीआरपीएफ व दूसरे बलों के जवान 48 घंटे में फॉर्सवर्ड ऑपरेटिंग ब्रेस' स्थापित कर रहे हैं। अब इसी एफओबी के चक्रव्यवह में फंसकर नक्सली मारे जा रहे हैं। सुरक्षा बलों ने ऐसे जाल बिछाया है कि जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प बचते हैं। एक, वे सरेंडर कर दें और दूसरा, सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में गोली खाने के लिए तैयार रहें।

अधिकारिक जानकारी के मुताबिक नक्सलियों के गढ़ में अभी तक 290 से ज्यादा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं। 2024 में 58 कैंप स्थापित हुए थे। इस वर्ष 88 कैंप यानी एफओबी स्थापित किए जाने के प्रस्ताव पर काम शुरू हो चुका है। ये कैंप नक्सल के किले को छाने में डकैतों का था। मप्र में डकैत उन्मूलन 2006 में पूरा हो गया। अब चब्ल के बीड़ सूने पढ़े हैं। चब्ल में आखिरी सूचीबद्ध डाको गिरोह जे जे उक्त जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में सूचीबद्ध गिरोह है लेकिन बराये नाम। डाकुओं की रक्षण नक्सलियों का खत्म आसान नहीं है बृहोंक नक्सलबाद को खत्म कर दिया जाएगा। सुरक्षा बल, नक्सलियों के गढ़ में जाकर उहें ललकार रहे हैं।

इस बाल जनवरी में ऑडिशा और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर क्षेत्र, गरियाबंद में ऑपरेशन युप ई30, सीआरपीएफ कोबरा 207, सीआरपीएफ 65 एवं 211 बटालियन और एमोजी (स्पेशल ऑपरेशन्स युप) की संयुक्त पार्टी के साथ हुई एक बड़ी मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए थे। भारी संख्या में हथियार और गोला बारामद हुआ। उस ऑपरेशन में एक कोरड़ सुरक्षा का इनामी नक्सली जयराम चलपती भी ही डेर हुआ था। फारवरा में बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में हुई मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गए थे। नक्सलियों के हमलों में भी बड़ी संख्या में नागरिक और पुलिस तथा अर्थसैयर बल के जवान भी मारे जाते रहे हैं।

बहरहाल देश को नक्सलियों से मुक्त दिलाने की बात हो रही है। देश में यदि सरकार चाहे तो कोई भी बाद समाप्त किया जा सकता है, वो भी बिना बन्दूक के। लेकिन हर सरकार नक्सलबाद से बन्दूक से निकटी आयी है। नक्सलबाद के खिलाफ लड़ते हुए सरकारों ने अपने तमाम अर्थसैयर बल को खपाया ह। बड़ी तादाद में हमारे जवान मारे गए हैं, नक्सल विरोधी अभियान में जितने नक्सली मारे गए उससे ज्यादा वे आदिवासी मारे गए जो एक तरफ नक्सलियों से परेशान होते हैं और दूसरी तरफ पुलिस से। नक्सलियों के नाम पर निर्देश आदिवासियों को फर्जी मुठभेड़ों में मरने की सैकड़ों

वापरते देश में हो चुकी हैं।

सरावल ये है कि क्या सचमुच नक्सलबाद समाप्त हो जायेगा। यदि सरकारी दावों को सही माना जाये तो गृह मंत्री की इस मुहिम का असर दिखने लगा है। घने जंगल में और नक्सलियों के गढ़ में पहुंचकर सीआरपीएफ व दूसरे बलों के जवान 48 घंटे में फॉर्सवर्ड ऑपरेटिंग ब्रेस' स्थापित कर रहे हैं। अब इसी एफओबी के चक्रव्यवह में फंसकर नक्सली मारे जा रहे हैं। सुरक्षा बलों ने ऐसे जाल बिछाया है कि जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प बचते हैं। एक, वे सरेंडर कर दें और दूसरा, सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में गोली खाने के लिए तैयार रहें।

अधिकारिक जानकारी के मुताबिक नक्सलियों के गढ़ में अभी तक 290 से ज्यादा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं। 2024 में 58 कैंप स्थापित हुए थे। इस वर्ष 88 कैंप यानी एफओबी स्थापित किए जाने के प्रस्ताव पर काम शुरू हो चुका है। चूंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है। क्योंकि शहरी नक्सलियों के पास बन्दूकें नहीं किताबें और बुद्धिमत्ता होता है।

क्योंकि ये एक गलत परिभाषा है। चूंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिकार्ड में अस्थिरता से परिवर्त हो रहे हैं और ये चिरार जंगलों में चलकर शहरों में आ चुका है इसीलिए शहरों में फंसकर काम करने वाले नक्सलियों को % अर्बन नक्सली % कहा जाने लगा है, हालांकि ये एक गलत परिभाषा है।

क्योंकि ये एक जगतीवन परिहार का मारा गया था अब पुलिस रिक

